नासिक कुंभ की तैयारियां देख अधिकारी उज्जैन की गलियां भी करेंगे रोशन

- कलेक्टर, कमिश्नर और निगमायुक्त पहुंचे महाराष्ट्र
- कुंभ की तैयारियों से सीखा भीड़ प्रबंधन
- उज्जैन महाकुंभ से पहले नासिक मॉडल का अध्ययन

नव भारत न्यूज

उज्जैन. महाकाल की नगरी अवंतिका में जो महाकुंभ 2028 में संपन्न होगा ,उससे पहले नासिक का कुंभ आ रहा है, ऐसे में महाराष्ट्र सरकार की क्या तैयारी है, इसे देखने के लिए उज्जैन से अधिकारियों का दल पहुंचा है और वहां कुंभ की तैयारी में जुटे अधिकारियों से कमिश्नर आशीष सिंह से लेकर कलेक्टर रोशन कुमार सिंह तक ने चर्चा कर जायजा लिया.

नवभारत से चर्चा में उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से सदैव ही कुंभ के आयोजन संपन्न होते आए हैं. अधिकारी कर्मचारी तो निमित्त मात्र होते हैं फिर भी व्यावहारिक दृष्टिकोण से तैयारी करना होती है.

संभाग आयुक्त आशीष सिंह की प्लॉनिंग

दरअसल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जिन अपेक्षाओं, उम्मीद और भरोसे को लेकर इंदौर कलेक्टर रहे आशीष सिंह को उज्जैन संभाग आयुक्त पद की जिम्मेदारी सौंपी है, ऐसे में दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन श्री सिंह बखूबी कर रहे हैं. आशीष सिंह मेला अधिकारी भी है. कुछ दिन पूर्व कमिश्नर हरिद्वार के कनखल पहुंचे और आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज से भेंट करते हुए उज्जैन सिंह की तैयारी के संबंध में चर्चा की और अब बुधवार को कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से लेकर यूडीए सीईओ संदीप सोनी और निगम आयुक्त को लेकर नासिक कुंभ की तैयारी देखने पहुंच गए.

यही कारण है कि नासिक में जो महाकुंभ लगेगा उसकी तैयारी को देखने के लिए पहुंचे हैं.

नासिक प्रशासन की तैयारी का अध्ययन : उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को पुख्ता करने के उद्देश्य से, उज्जैन से वरिष्ठ अधिकारियों का एक दल बुधवार को नासिक पहुंचा. दल ने नासिक में होने वाले कुंभ मेले की व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन किया. इस उच्च-स्तरीय निरीक्षण दल में अपर मुख्य सचिव एसीएस अर्बन संजय दुबे के साथ-साथ मेला अधिकारी, कलेक्टर और निगमायुक्त, सीईओ जैसे प्रमुख अधिकारी शामिल है.

निरीक्षण के मुख्य बिंदु : उज्जैन के अधिकारियों ने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो उज्जैन सिंहस्थ में भी महत्वपूर्ण रहेंगे क्योंकि नासिक और उज्जैन दोनों शहरों की संरचनात्मक चुनौतियां और धार्मिक महत्व काफी मिलते-जुलते हैं.

घाट व्यवस्था और क्राउड मैनेजमेंट : अधिकारियों ने गोदावरी नदी के तटों पर स्नान घाटों की व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण की रणनीति को समझा, नासिक में संकरे क्षेत्रों में भीड़ को संभालने के तरीके उज्जैन के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकते हैं.

पेयजल और सीवरेज

मेले के दौरान श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और प्रभावी सीवरेज नेटवर्क एवं स्वच्छता प्रबंधन का बारीकी से जायजा लिया गया. साथ ही अन्य बुनियादी सुविधाएँ देखी, दल ने अन्य मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा उपायों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई तकनीकी नवाचारों का भी अवलोकन किया.

कुंभ का महाकुंभ में क्रियान्वयन

नासिक के कुंभ आयोजन की तैयारियों से सीख लेकर, उन अनुभवों और नवाचारों को उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारियों में क्रियान्वयन किया जाएगा, ताकि आने वाले महाकुंभ को अधिक व्यवस्थित और सुगम बनाया जा सके. उज्जैन के अधिकारियों ने अपने भी अनुभव नासिक के अधिकारियों के साथ साझा किए

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**